

2704

ॐ उ नू का स हं रु द्वा ॥ ॐ ग म ना स हं रु द्वा ॥ ॐ स क रा स हं रु द्वा ॥ ॐ य म रा ना स हं रु द्वा ॥
ॐ य म दू ति स हं रु द्वा ॥ ॐ य म ड डू य हं रु द्वा ॥ ॐ य म म थानि म म रु द्वा ॥
ॐ य द्र ग द मा य हं रु द्वा ॥ ॐ ग क ना य हं रु द्वा ॥ ॐ क्रा रा क रा य हं रु द्वा ॥ ॐ क न क
हं रु द्वा ॥ ॐ उ दू द ल सा य हं रु द्वा ॥ ॐ ल कि व न हं रु द्वा ॥ ॐ स ना य हं रु द्वा ॥
ॐ ला य का य हं रु द्वा ॥ ॐ किली कि रा य हं रु द्वा ॥ ॥ य स य द्रा य
रु द्वा ॥ ॥ य द स ल सा ॥ ॥ व रु टि ग न दी ॥ ॥ व रु व स ग ॥ ॥ व रु मृ द ग हं

॥ व रु मृ नू उ हं ॥ व रु ला स हं ॥ ॐ व रु माल ग ॥ व रु गी न हं ॥ व रु नि
नू ॥ व रु वू हं ॥ व रु यू हं ॥ ॐ व रु दि य हं ॥ ॐ व रु व रा कि नू दी
॥ ॐ व रु ग य ॥ ॐ व रु द स ना ॥ ॐ व रु वि हं ॥ ॐ व रु व रु हं ॥
ॐ व रु ग हं ॥ १७ ॥ सु नि ॥ स व रु न स द हं रु द थ य ॥ आ द क वि ना म
नि व रु न ॥ स व रु न न प्रा सु न ॥ या फि वि रु म रा ग्ग न स र्वा म नि स द थि
न कृ पा क्रा य म रु ना ॥ १८ ॥ स व रु न न प्रा सु ना ॥ द य ना ॥ ॥ ॐ न प्रा हं रु

विष्णुका॥ तद्वलिषां जूहं मी लु क न उ म ह कृ त तस्मि म ५४ द म दि म्ब नि न्या वी
न वि न म्ब त्री ह्ना ना म्ब त म्ब नि म त न वा कृ न म्ब य वि वी वि ल म्ब ता ५४ द व लि ष
प्रि ष्ठा न ॥ जूः वाः दूः पः लाः द्यः कुः न ॥ त न जू लि क लि प लि न त व द्र सूर्य क र द
मा ग त हं का त द्र ष्ठा ॥ जू म्ब न्या नू ग त स व म्ब म्ब ॥ ५४ व त स्या त नू ग त स व म्ब म्ब ॥
सू त नू य त वि ष्ठा स व म्ब म्ब ॥ ५४ द वा य म्ब म्ब त नू कृ वा य व म्ब म्ब त नू न स व म्ब न
य म्ब न यदि वा स मा नू ग ह हं कृ त न ॥ ५४ द जू कृ व कृ वि द्वा ॥ ५४ व कृ त न

ज ४ हं वी ता ४ व कृ वा कि न ४ स म य स हं द स्या ता ॥ ५४ क न २ कृ नू २ व म्ब २ न
स म २ कृ त म्ब २ दं २ ह त २ हं २ कृ व व २ द ह २ व व २ व कृ २ स व नू यि ना न
मा ला व त वि न गृ हं २ स य त न ग नू जं ग हं य २ कृ क व २ क्री २ हं २ हं २
हं २ कि न २ सि न २ शि न २ शि लि २ हं २ कृ हं स्या ता ॥ ५४ स व २ वा हि २ स
व म्ब कृ न कृ स कृ त य त यि म्ब म्ब मा दा ५४ म्ब म्ब नू की मी द य म्ब नू स व नि
५४ कृ नू स म य न कृ नू स म य सि दि म य म्ब नू य म्ब व त थ व कृ त थ वि प थ

जिद्यथसात्तिकमथमममर्वसत्ता नाम सर्वाका तया सहस्रवैपथद्वयं
सहायकारववुहं हं रुद्र रुद्र साहा॥ वः लाः यः प्रः त र्वन॥ मालसा
कृष्णपूजायासाधूपा निताउन॥ पूजावकव्यागा॥ अया॥ यमम्या
ॐ यादि॥ वलि॥ जू न सूर्य ॐ सादि॥ राक पूजा॥ सन ऊन अजि
वादविप्रर्जनः ॐ ति सुव न स मा धि वूजा स प्रा फ सूरु॥ स व न व
मि र्व न थ क न सः समीगा य न वा या थ म न इ ल सूरु॥ न ग न न र न डी वा ल

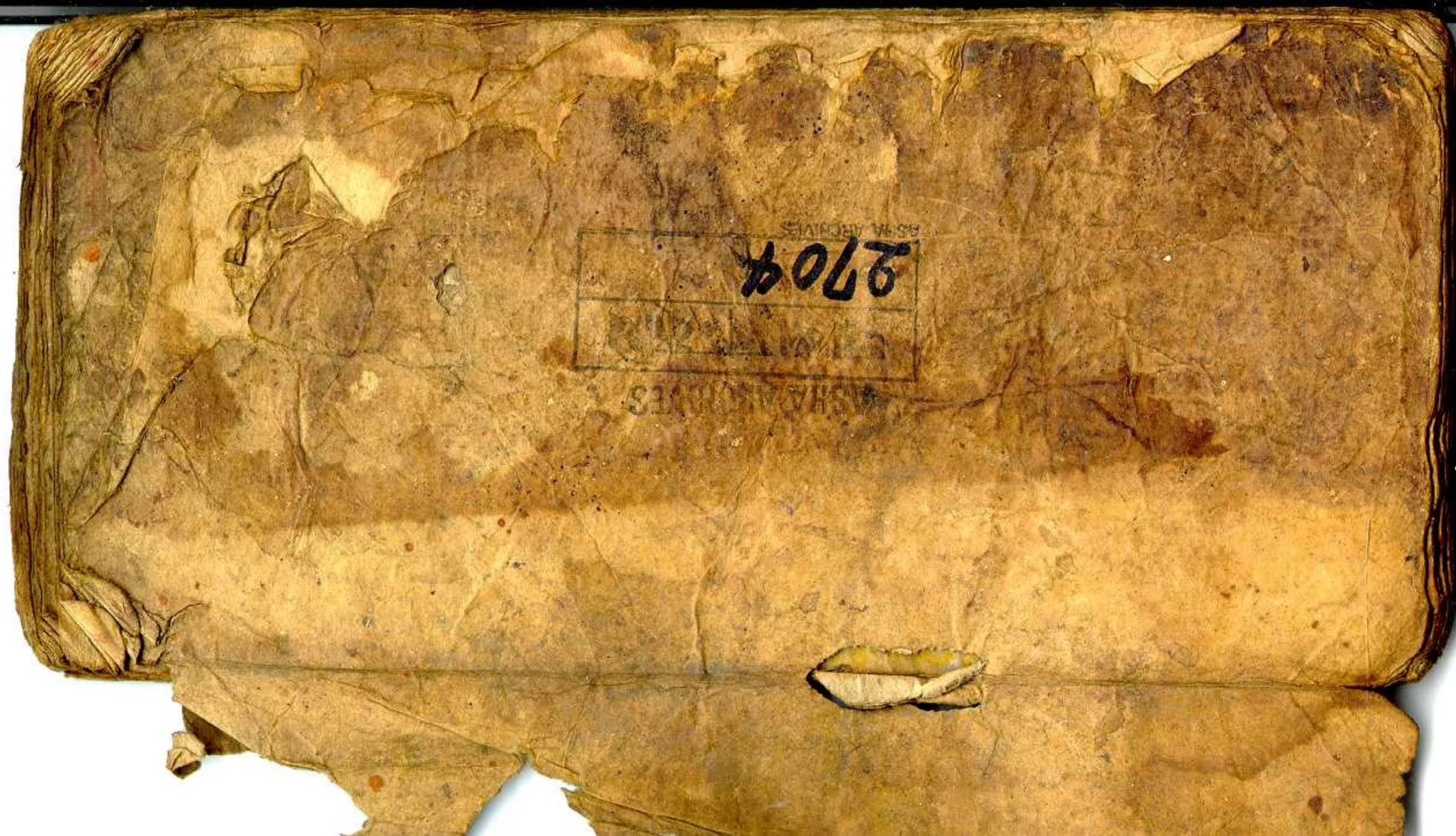
प्रय ना क न रु मा सा क रि रु ला इ वि र सि या गु र न रु र॥ ॐ ॥
उ न म्या पुष्या॥ तु त म वि सु र्ज स धि सि दि ग व व रु रु दि वि रु वि सु वि र त न न वि ज ति
म्य श्रु त म पि कृ त स र्गिः ना मि स रु व मा ग न र सि व ग रु उ प्र कि दि न का॥ अ वि त दु वि त
प रुः जि न नि सः त व दु र्वा इ वि त क न क व रु रु रु न मा म त रुः स र्वा य ल व लि थ न रु व रु म
इ न सि म द स व न न व नि त्रः रु व रु त प ल त ॥ १ ॥ म द न त्र न रु रुः का य थ अ द क रुः
नि रु व न ति न क सु मि ल ना जाल रु रु स म सु र म रु त्रि वा रुः रु रु न रु न सि ल द स व न न

वनि ॥ २ ॥ असुलसुलनाः आगजमगहः सकलसुवनधामाकसिधिकस
वः स्वयितमंनुजधानाः अजापानिष्ठः दसवलतवनि ॥ ३ ॥ उदयगिरितत
वः विदुमाजदतमतिमित्रमिकलततः वरुप्रकयधानाः नवियविमदलालः सवथासा
अपिसुतादसवतवनिनसुप्रकातप्रलेत ॥ ४ ॥ दिलदतसनवाहुः शान्तमिससाका
कालिकुवलजनाः सवसुजामनिजः अविगतमदवागः सवथासापिसुता ॥ दसवलतव
नि ॥ ५ ॥ प्रवतनजवतः वादसाप्रदुदनाउपनिममकनावासामप्रववगजम

लकमदधानिसाविज्ञायिसुता ॥ दसवानवनि ॥ ७ ॥ किलमिलिबिदवतारः सवमे
स्तप्रवितिः निरुतनसवदज्रायवमनमिः सदगिरिवलपुतासापिसुता
सुलि ॥ दसवलतवनि ॥ ८ ॥ अलेतकुनिसवानिः दुदयाधिः नवानासूत्रय
निरयसंज्ञाः विरुमाधयित ॥ अनसनिसिरुसुताः कासंयकाविमाग्ता ॥ दस
वनवनि ॥ ९ ॥ कुवतयादतनिलः पुदलिकायताजः सुलनियुक्तादना
विज्यदुष्टिः अयमिदलितविवितरुआगवाशतमुता ॥ दसवलतवनिनसु

सुहृन्प्रसन्नो ॥ ८ ॥ अत्रित्तुतत्ता वलनतमाकुताऽ. यस्मयति त्रयिकर्तृ संगद
गकदुस्मत्तसुलिनीगः सापिसुता सुतासा ॥ दसवतनवनिष्ठा ॥ १० ॥ दिमससि
मुदाक्षमसुवाः तुलजाधीरु कथिनरुजोमलागुनिष्ठाः नित्तताः वनदुः ससितता ॥
व्रित्ततथरुदः दसवलनवनिष्ठा ॥ ११ ॥ गरुमुखदसनिकः सवथाविनतताः अरि
गतमदवातिः यवधाविनतताः सनयति त्रयिसुता वा मुवातामनः दसवतनवनिष्ठा
॥ १२ ॥ अतसिकुमुदानिः ऊरुसाति कतागः न वनविन व पुष्पाः स्वमुखावतं नृदिन

गतनवमानिसायिसुताकुमाप्राः दसवतनवनिष्ठा ॥ १३ ॥ असनवसनदिननिन
जागः नजानावदुविवीधयिद्यातः यतनद द ताः उरुप्रगतिनिदिताः नपिना नाः
यिसुतादसवतनवनिष्ठा ॥ १४ ॥ अथयमदुः ससताः वसगमगिनाद्रुकतकुतसवि
^{भादिनऊ}
तायः प्राजा ॥ आनिकवगमपि वथिवगनसताद्रुयिसुताः दसवतनवनिष्ठा ॥ १५ ॥
उमयतुनकयलजऊगिद्रादिहोरुविगगनाताकवातातथाः नाः ॥ अथिअगनसता
अविषताद्रुयिसुताः दसवतनवनिष्ठा ॥ १६ ॥ तवउत्रदिविमानः भाततातनरुममनि



2704



सधकनकनाग्रलसीनमुधविनासमसुखदत्रदिनायात्रिसानिविसुत्राःदस
वनतवनिआ॥१०॥रुखननिद्रात्रवतनतसिधितःरुक्मविसास्त
सयनिविषयाप्रकाशकाप्रसूतसूतुरुयानिबतमानआगानिर्मसतत
नवननभाउतस्य॥१॥रुथाकुलसतनिपिततिरुप्रःनेतिरुजतिनसतःकुत्र
नभामुतस्यतवेमुनिकवीसुतस्यनकिमतगुनतिगुनसागनस्य॥सुप्रकातत
रुक्मसुप्रनामिउकःरुक्मनमिल्लाःयाननिप्रमसादिनात्रविद्युनप्रका

तैपुनदवलितालवियससाकावतप्रसवमरुजराजमतथेयाद्वयागता
गतिवृषकथवृषस्य॥सुप्रकातसुनंउतनिधायकुदिभक्तिवृद्धप्रमंसच
रुप्रनमादिदीन॥रुलालकमरुमहाप्रनिबलसधर्मयननिदाप्रदतत्रागद
षठालियसानिनिर्दुजयनसमूयाजितसवमयाप्रतनतत्रयादिप्रकापत्र
रुवेकुदकुदसवत्रातवत्रातमाय॥१॥रु॥सकतत०१मिउथक१
सहगानतववात्रमासाकरिहवाप्रकृताकुमालरुविसिनिधुतमयिसयूनसी
यमोकरुलसु॥१॥

ॐ वज्रविजयं वज्रव्यं स्यात् वज्रमिति तद्गहिः वज्रमुलूखज्जः यजाम्बुहः वज्र
मादितां वज्रगिहं हिः वज्रनिहंजः वज्रव्ययं दं वज्रपूयं तां वज्रावत्राकि
नहिदिः यथ वज्रज्जलसमावज्जः प्रसमावज्जं थमस्तुः गदवनमः
वज्रज्जः ॐ ॐ ॐ वज्रसत्त्वसंघात् वज्रलूननमकुतन वज्राधर्मगमिनिः
ॐ वज्रकुलवतकिञ्च २०० डाडममताविलाताली कंयातामहकं किल बुदसका
थंष्टिधुहताममनुतः पुदुवालमितां यतां कनकदां सुप्रअवुवी वलीः दग

[illegible]

[illegible]

व॥ श्रीमन् वज्रजं कायदाकिनीयक वल्लभ वरोहानात्किनाम ज्ञानाम ऊगाता
नमो यावत्त वज्रजं किं न किं न सक्तं वदनात्ता काकिं प्रवक्तु न निष्ठा वतिस्था
नमस्तदा अतिशयं न न शुभनाल वयम् ॥ श्रीमन् वं जं का प्रनमद्व म्ज्ञान
हं कात हं वजित नृका न नृपनाथ मकका प्रन क विस्मृत ॥ सर्व सत्त्व न हंता
शुक वल्लु द्वि लज सम तमात्मा नदा वयम् ॥ तदनूक न साध न दक्ति न ह क्षम
शका न न सर्म मद्धल वा म ह ह्म ज्ञा कान न वधु मद्धल ॥ ह नमद्वि स्वात्ता ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

एकवद्वसत्सर्वतथागतत्वाद्द्वन्द्वकचक्रवर्त्तमानद्वय
 वज्रिद्यानानिजावज्रवज्रवृथिविद्यानुवातनिजावज्रमात्रिनि
 ज्ञातत्वात्तत्राकर्षणीयमप्यनुवातनिजावज्रमात्रिजाकासमात्रयद्वयकालिनि
 ॥ ॥ पत्रज्ञालिकालिवकिमप्यत्रकात्रनष्टमनुलतमप्यद्वयकात्र
 रगावतंकिमुत्रलवद्वन्द्वयमल्लतालीवज्रयद्यप्यत्रादितियात्रीष
 र्जितर्जनिवासहतिमात्रीउमत्रावद्वन्द्वयमल्लतालीवज्रयद्यप्यत्रादितियात्रीष



